प्रेस विज्ञप्ती

दिल्ली पर दूसरे मानव विकास रिपोर्ट का विमोचन।

दिल्ली के 8000 परिवारों ने मानव विकास रिपोर्ट के लिए अपने विचार दिये।

दिल्ली मानव विकास रिपोर्ट 2013 एक ऐसा दस्तावेज है जो उपलब्धियों, कमियों, और चुनौतियों के साथ साथ भविष्य के रास्ते प्रदान करता है।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री एम0 हामिद अंसारी ने आज तीन मूर्ति भवन में दिल्ली पर तैयार हुए दिल्ली मानव विकास रिपोर्ट 2013 का विमोचन किया। रिपोर्ट को इस्टीटयूट फॉर हुम्यून डेवलपमैन्ट ने दिल्ली सरकार, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए तैयार किया।

इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित के अलावा प्रख्यात विशेषज्ञ, विद्धवान, नागरिक समाज के प्रतिनिधि, निति निर्माताओं, अन्तराष्ट्रीय संगठन और मानव विकास से जुडे शोधकर्ताओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

दिल्ली मानव विकास रिपोर्ट 2013 में रोजगार और शिक्षा के अवसर, स्वास्थ्य, बुनियादी सेवाओं और सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं को समाहित किया गया है। साथ ही जनता की सुरक्षा और सुरक्षा के मुददे जो दिल्ली में हाल के समय में चिन्ता का विषय रहा है, उसके मानव विकास परिदृश्य को शामिल किया गया है। रिपोर्ट, दिल्ली शहर के जीवन चुनौतियो और

उपलब्धियों को दर्शाता है। मानव विकास परिदृश्य की व्यापकता को समझने के लिए दिल्ली भर में 8000 परिवारों के एक बड़े सर्वेक्षण के निष्कषों का विश्लेशण करता है यह सिर्फ विश्लेषण भर नहीं है ब्लकि विभिन्न समूहों से संबंधित नागरिको की आकाक्षाओं को भी परिभाषित करता है। संक्षेप में यह रिपोर्ट दिल्ली शहर का दर्पण है। एक दस्तावेज है जो उपलब्धियों, कमियों, चुनौतियों के साथ साथ भविष्य के रास्ते प्रदान करता है।

दिल्ली मानव विकास रिपोर्ट 2013 के विमोचन के अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति ने दिल्ली सरकार और इस्टीटयूट फॉर हुम्यून डेवलपमैन्ट की सराहना करते हुए कहा कि ''यह दस्तावेज दिल्ली के मानव विकास की प्रगति का स्वरूप है।'' उन्होने कहा कि ''रिपोर्ट नीति निर्माताओ के लिए उपयोगी होगा। साथ ही सभी नागरिको के विकास की प्रक्रिया में मील का पत्थर साबित होगा।''

अपने भाषण में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमति शीला दीक्षित ने कहा कि ''दिल्ली में पिछले सात सालों के दौरान काफी बदलाव आये है।'' दिल्ली विकास रिपोर्ट को 2006 में पहली बार प्रकाशित किया गया था। इसलिए समझा गया कि दिल्ली के मानव विकास परिदृश्य की फिर से समीक्षा की जानी चाहिए थी। दिल्ली मे मानव विकास के विभिन्न मोर्चो पर सराहणीय प्रगति की है, यह कहने की जरूरत नहीं है। हमने कई अन्य मोर्चो पर भी प्रगति की है, हमारा ध्यान हमारे लोगो के जीवन में सुधार लाने पर हमेशा

केंद्रित रहेगा। उन्होने विशेष रूप से समाज के गरीबों, बच्चों, महिलाओं और अन्य कमजोर वर्गो के जीवन सुधार की आवश्यकता और समावेशवन पर जोर दिया।

इस्टीटयूट फॉर हुम्यून डेवलपमैन्ट के निदेशक अलख नारायण शर्मा ने कहा कि यह दस्तावेज दिल्ली के 8000 परिवारों से एकत्र किया गया सेकेण्डरी डाटा पर आधारित है, जो परम्परागत मानव विकास सूचकों से भिन्न है। साथ ही यह दस्तावेज लोगों की सुरक्षा और विचारों सहित दूसरी महत्वपूर्ण चीजों को भी परिभाषित करता है।

इस्टीटयूट फॉर हुम्यून डेवलपमैन्ट ने पहले भी दिल्ली मानव विकास रिपोर्ट तैयार किया था। मिजोरम, मणिपुर, बिहार के मानव विकास रिपोर्ट को संस्थान तैयार कर चुका है। असम मानव विकास रिपोर्ट को भी संस्थान तैयार कर रहा है। जिसमें मानव विकास के विभिन्न मुददों को शामिल किया गया है।

अलख नारायण शर्मा
निदेशक
इस्टीटयूट फॉर हुम्यून डेवलपमैन्ट
नई दिल्ली

मिडिया कोडिनेटर :– श्रवण कुमार, 9650288015